085/X/SA2/38/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे]

[अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

वर्षा ऋतु का नाम लेते ही मन - मयूर नाच उठता है। भयंकर गरमी से राहत मिलती है। ठंडी फुहारों से स्वर्गिक आनंद की अनुभूति होती है। सभी ऋतुओं में वर्षा ऋतु श्रेष्ठ है। गर्मी की तपन के बाद बारिश की फुहारों का आगमन बडा आनंददायी होता है। पशु - पक्षी और मानव ही नहीं, पेड-पौधों पर भी ऋतु का प्रभाव पडता है। ऐसा लगता है मानो वीरान व बंजर ज़मीन पर हरा मखमली कालीन बिछा हो। आषाढ मास में मोरों की कूक से पूर्वाभास होता है कि बरसात की ऋतु आनेवाली है। बारिश शुरू होते - होते खेत - खलिहानों में चहल - पहल शुरू हो जाती है। लोग धान की बुआई में व्यस्त हो जाते हैं। मोर जी भरकर नाच करते हैं। कोयल की कूक बड़ी सुहानी लगती है। अच्छी बरसात हो तो नर - नारियाँ झूम उठते हैं। किसानों का मन मुदित हो उठता है। ऐसा लगता है सारी प्रकृति एक नए अवतार में प्रकट हुई है। सब कुछ बारिश में धुलकर नया - नया सा लगता है। अच्छी बरसात से धरती में पानी का स्तर बढ़ जाता है। सूखे कुएँ दोबारा पानी से भर जाते हैं। तालाब और जोहड़ों में बतख और पशु नहाते नज़र आते हैं।

(क) 'मन - मयूर' का तात्पर्य है :

(i) मन का मोर

(ii) मन में बसा मोर

(iii) मन रूपी मोर

(iv) मन जैसा मोर

(ख) वर्षा ऋतु के बारे में सच नहीं है :

(i) मखमली कालीन बिछने लगते हैं

(ii) धरती में पानी बढ जाता है

(iii) सारी प्रकृति नए अवतार में प्रकट होती है

(iv) मोर नृत्य करते हैं

(ग) 'स्वर्गिक आनंद की अनुभूति' का अभिप्राय है :

(i) अत्यंत खुशी का अनुभव होना

(ii) मनचाही बात होना

(iii) धरती का स्वर्ग बन जाना

(iv) दंग रह जाना

(घ) कौन - सा शब्द शेष से भिन्न अर्थ देता है :

(i) पानी (ii) वर्षा (iii) बारिश (iv) बरसात

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा :

(i) बरसात की फुहारें

(ii) वर्षा का आनंद

(iii) स्वर्गिक आनंद

(iv) नाचता मन - मयूर

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :** **1x5=5**

मानव को मानव के रूप में सम्मानित करके ही हम जातीयता, प्रांतीयता, के भेद को तोड़ सकते हैं। आज मानव - मानव से दूर हटता जा रहा है। वह भूल चुका है कि देश धर्म और जाति के भिन्न होते हुए भी हम सर्वप्रथम मानव हैं और समान हैं तथा सभी की भावनाएँ और लक्ष्य एक ही है। आज धर्म, देश, सत्ता, धन आदि का भेद होने से एक मानव दूसरे को मानव ही नहीं मानता है। कभी - कभी स्वधर्मी विधर्मी को, स्वदेशी विदेशी को, अफसर चपरासी को, अमीर गरीब को, विद्वान निरक्षर को इनसान ही नहीं समझता और वह भूल जाता है कि दूसरे को भी समान रूप से भूख, प्यास सताते हैं तथा उसे प्रेम और आदर चाहिए। वह भूल जाता है कि दूसरे में भी स्वाभिमान का पुट है और वह भी अपनी संतान के लिए कुछ करना चाहता है। सत्ताधारी मनुष्य दूसरों को कुचल कर सुख - सुविधाओं पर एकाधिकार कर लेना चाहता है, लेकिन एक आकाश के नीचे रहनेवाले सब इनसान एक हैं। भले ही कोई श्रमिक का काम करता हो या कलम लेकर दफ्तर का, किन्तु लक्ष्य एक है - समाज का अभ्युदय। सब भाई - भाई ही तो हैं। सब अपने अपने स्थान पर विशेष हैं। आदमी का नाता ही श्रेष्ठ नाता है। ''नौकर'' कहकर पुकारने के बदले ''सहयोगी'', ''सहायक'' कहकर संबोधन करना मधुर होगा।

(क) मानव को मानव के रूप में सम्मानित करना क्यों आवश्यक है :

(i) मनों की भिन्नता कम करने के लिए

(ii) भेदभाव को समाप्त करने के लिए

(iii) मनुष्य को सम्मानित करने के लिए

(iv) भावनाएँ भड़काने के लिए

(ख) मानव क्या भूल चुका है?

(i) मानव जीवन का इतिहास

(ii) मनुष्यों में भेदभाव

(iii) मानव - मानव की एकता

(iv) मानव - जीवन की श्रेष्ठता

(ग) गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्दों का कौन - सा जोड़ा ठीक नहीं है :

(i) स्वदेशी - विदेशी

(ii) विद्वान - निरक्षर

(iii) अमीर - गरीब

(iv) अफसर - चपरासी

(घ) सत्ताधारी मनुष्य क्या चाहता है?

(i) समाज का अभ्युदय

(ii) सुख - सुविधाओं पर एकाधिकार

(iii) शासन पर अधिकार

(iv) सहयोगियों पर अधिकार

(ङ) इस गद्यांश का शीर्षक होगा :

(i) मानव जीवन

(ii) मानव - मानव एक समान

(iii) सत्ताधारी और जनता

(iv) जातीयता का लाभ

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

ऐ अमरों की जननी, तुझको शत - शत बार प्रणाम
मातृ - भू , शत - शत बार प्रणाम!
तेरे उर में शायित गांधी, बुद्ध, कृष्ण और राम,
मातृ - भू , शत - शत बार प्रणाम।
हिमगिरि - सा उन्नत तव मस्तक
तेरे चरण चूमता सागर,
श्वासों में हैं वेद - ऋचाएँ
वाणी में है गीता का स्वर,
ऐ संसृति की आदि तपस्विनि, तेजस्विनि अभिराम।
हरे - भरे हैं खेत सुहाने
फल - फूलों से युत वन - उपवन
तेरे अंदर भरा हुआ है
खनिजों का कितना व्यापक धन
मुक्तहस्त तू बाँट रही है सुख - संपति, धन - धाम!
प्रेम - दया का इष्ट लिए तू
सत्य - अहिंसा तेरा संयम
नई - चेतना, नई स्फूर्ति - युत
तुझमें चिर - विकास का है क्रम
चिर नवीन तू जरा - मरण से मुक्त, सबल उद्दाम।
मातृ - भू , शत - शत बार प्रणाम

(1) कौन - सा विशेषण मातृभूमि का नहीं है :
(क) तपस्विनि (ख) तेजस्विनि (ग) उद्दाम (घ) उन्नत

(2) भारत माँ का उन्नत मस्तक है :
(क) विंध्याचल (ख) ऐवरेस्ट (ग) हिमालय (घ) कश्मीर

(3) भारत भूमि के किस धन का उल्लेख हुआ है?
(क) कल-कारखाने (ख) अनाज
(ग) खनिज (घ) राजकोष और बैंक

(4) 'मुक्त हस्त बाँटना' का आशय है :
(क) खुलकर दान देना
(ख) स्वतंत्र भाव से देना
(ग) दोनों हाथों से समेटना
(घ) हाथ खुले रखना

(5) भारत माता को किस बंधन से मुक्त कहा है ?
(क) जंजीरों के
(ख) पराधीनता के
(ग) रिश्ते - नाते के
(घ) जरा और मृत्यु के

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

आज की यह सुबह है बहुत प्रीतिकर
कह रही उठ नया काम कर, नाम कर।
जो अधूरी रही वह सुबह कल गई,
मान ले अब यही कुछ कमी रह गई
ले नई ताजगी यह सुबह आ गई
कह रही मीत उठ, बात कर कुछ नई।
ओ सृजन दूत तू, शक्ति संभूत तू
क्यों खड़ा राह में अश्व यों थाम कर!
दूसरों की बनाई डगर छोड़ दे ,
तू नई राह पर कारवाँ मोड़ दे ,
फोड़ दे तू शिलाएँ चुनौती भरी
क्रूर अवरोध को निष्करुण तोड़ दे।
व्यर्थ जाने न पाए महापर्व यह
जो स्वयं आ गया आज तेरी डगर!

(1) आज की सुबह क्या संदेश नहीं दे रही है?
(क) बात कर कुछ नई
(ख) कुछ कमी रह गई
(ग) उठ नया काम कर
(घ) छोड़ दे दुसरों की बनाई डगर

(2) 'सृजन दूत' कौन है :
(क) मनुष्य (ख) ईश्वर (ग) कवि (घ) सुबह

(3) 'शिलाएँ' प्रतीक है :
(क) पराधीनता की
(ख) बाधाओं की
(ग) सृजन की
(घ) रास्तों की

(4) बीती सुबह की क्या विशेषता थी
(क) प्रीतिकर नहीं थी
(ख) काम अधूरे रह गए थे
(ग) दूसरों की बनाई थी
(घ) हलचल से भरी थी

(5) 'महापर्व' की क्या विशेषता है :
(क) चहल-पहल से भरा है
(ख) नई सुबह लाया है
(ग) नई चुनौतियों से भरा है
(घ) नया अवसर बनकर आया है

खंड 'ख'

5. (1) आपके मित्रों में से कोई समय पर न पहुँचा। - वाक्य में सर्वनाम पदबंध है : 1

(क) आपके मित्रों में से कोई

(ख) आपके

(ग) आपके मित्रों में

(घ) कोई समय पर

(2) मैं पिछले साल उसे <u>अहमदाबाद</u> में मिला था। रेखांकित का पद परिचय है : 1

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(3) <u>बडी - बडी बातें करनेवाला</u> नेता कुछ काम नहीं करता? रेखांकित में पदबंध का भेद है : 1

(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(4) यह छतरी मेरी <u>छोटी</u> बहन की है। रेखांकित पद का परिचय है : 1

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) क्रिया विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग,

6. (1) वह फल खरीदने के लिए बाजार गया और दो दिन बाद लौटा - रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है : 1

(क) मिश्र वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) इच्छावाचक वाक्य

(2) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : 1

(क) मेरी बारी आने पर खिडकी बंद हो गई।

(ख) मेरी बारी आने के कारण खिडकी बंद हो गई।

(ग) जैसे ही मेरी बारी आई, खिडकी बंद हो गई।

(घ) मेरी बारी आई और खिडकी बंद हो गई।

(3) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है : 1

(क) मैंने उसे देखा और पहचान लिया।

(ख) मैंने उसे देखते ही पहचान लिया।

(ग) मैंने उसे देखकर पहचान लिया।

(घ) देखने के बाद मैंने उसे पहचान लिया।

(4) माताजी ने आटा गूँथा। माताजी ने रोटी बनाई। इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है : 1

(क) माताजी ने आटा गूँथा और रोटी बनाई।

(ख) जब माताजी ने आटा गूँथा, तब उन्होंने रोटी बनाई।

(ग) माताजी ने रोटी बनाई।

(घ) माताजी के आटा गूँथने से रोटी बनी।

7. (1) ''मतैक्य'' का संधि - विच्छेद है : 1

(क) मत + एक्य (ख) मत + एकय

(ग) मत + ऐक्य (घ) मता + ऐक्य

(2) 'अति + आचार' की संधि है : 1

(क) अत्याचार (ख) अतिचार

(ग) अत्याचरण (घ) अत्यचार

(3) 'भयभीत' समस्त पद का विग्रह है : 1

(क) भय का भीत (ख) भय से भीत

(ग) भय में भीत (घ) भय की भीत

(4) 'शुभ है जो आगमन' - का समस्त पद है : 1

(क) सु आगमन (ख) शुभागमन

(ग) शुभगमन (घ) शुगमन

8. (1) हाथी के सामने खाने को दो गन्ने रखना ऐसा ही है जैसे ------------ उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान भरिए : 1

(क) हाथ कंगन को आरसी क्या

(ख) हाथी मरा भी तो सौ लाख का

(ग) भैंस के आगे बीन बजाओ भैंस खड़ी पगुराए

(घ) ऊँट के मुँह में जीरा

(2) जब भी मैं सामने मिठाई देखता हूँ मेरा ------------- लगता है 1

(क) जी ललचाना (ख) ठिठक जाना

(ग) बाट जोहना (घ) टूट पडना

(3) ''कामयाब होना'' मुहावरे का अर्थ है : 1

(क) सफल होना (ख) पराजय होना

(ग) खुश होना (घ) काम पूरा होना

(4) मुँह में राम बगल में छुरी - लोकोक्ति का अर्थ है : 1

(क) सारा काम बिगाड देना

(ख) बाहर से अच्छा दिल का बुरा

(ग) अच्छा व्यक्ति

(घ) राम भक्त

9. (1) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : **1**

(क) अध्यापक आपको बुलाए हैं।

(ख) अध्यापक आपसे बुलाया है।

(ग) अध्यापक ने आपको बुलाया है।

(घ) अध्यापक आपने बुलाया है।

(2) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : **1**

(क) उसने आने के लिए कहा था।

(ख) मेरे को नहीं जाना।

(ग) तो आप चले जाओ।

(घ) अपन नहीं जाएँगे।

(3) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है: **1**

(क) मोहन पुस्तक पढा है।

(ख) तुमने यह क्या किया?

(ग) मुझे गाँव जाना है।

(घ) उसने हाथ जोड़े।

(4) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : **1**

(क) गीता ने फूलों की एक माला बनाई।

(ख) गीता ने एक फूलों की माला बनाई।

(ग) गीता ने एक फूल की माला बनाई।

(घ) गीता ने फूलों की मालाएँ बनाई।

खंड 'ग'

10. काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए : **1x5=5**

सारे शीतल कोमल नूतन
माँग रहे तुझसे ज्वाला - कण,
विश्व - शलभ सिर धुन कहता मैं
हाय न जल पाया तुझ में मिल!
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल।

(1) दीपक से ज्वाला माँगने वालों का विशेषण नहीं है :

(क) शीतल (ख) कोमल (ग) सिर धुन (घ) नूतन

(2) सारे किससे ज्वाला माँग रहे हैं?

(क) सूरज (ख) चाँद (ग) दीपक (घ) तारे

(3) विश्व शलभ अपना सिर क्यों धुनता है?

(क) पश्चाताप में (ख) खुशी में (ग) दुख में (घ) उपहास में

(4) पतंगे के स्वभाव की विशेषता है कि वह :

(क) दीपक की रक्षा करता है

(ख) दीपक के साथ रहता है

(ग) दीपक में जल मरता है

(घ) दीपक को बुझा देता है

(5) कवयित्री दीपक को किस तरह से जलने को कह रही है :

(क) जगमगाकर (ख) सिहर - सिहर (ग) धीरे - धीरे (घ) मधुर - मधुर

अथवा

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में
अनाथ है कौन है यहाँ ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो धरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(1) प्रस्तुत काव्यांश की रचना की है :

(क) मैथिलीशरण गुप्त ने (ख) सियारामशरण गुप्त ने

(ग) जयशंकर प्रसाद ने (घ) दिनकर ने

(2) मनुष्य को कभी भी गर्व नहीं करना चाहिए क्योंकि :

(क) सब अनाथ हैं

(ख) सबपर ईश्वर की कृपा है

(ग) सब धनवान हैं

(घ) सब मनुष्य हैं

(3) कौन - सा विशेषण ईश्वर का नहीं है :

(क) दयालु (ख) दीनबंधु (ग) त्रिलोकनाथ (घ) मदांध

(4) बडे विशाल हाथ किसके हैं ?

(क) दीनबंधु के (ख) मदांध के (ग) धनी के (घ) भाग्यहीन के

(5) अतीव भाग्यहीन कौन हैं ?

(क) जो गरीब हैं (ख) जो अधीर हैं (ग) जो उत्सुक हैं (घ) जो सौम्य हैं

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए : **2½+2½=5**

(क) जनरल साहब के बावर्ची ने कुत्ते के बारे में क्या बताया ?

(ख) प्रकृति में असंतुलन का क्या परिणाम हुआ है ? ''अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले'' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) ''पतझर में टुटी पत्तियाँ'' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि शुद्ध आदर्श क्या है ?

(घ) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था ?

12. ''सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था, मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों'' - आशय स्पष्ट कीजिए **5**

अथवा

ओचुमेलॉव के चरित्र की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए -

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

ग्वालियर से मुंबई की दूरी ने संसार को काफी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में आज जहाँ मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था, पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदे-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके, उन्होंने यहाँ वहाँ डेरा डाल लिया है।

(क) मुंबई में ग्वालियर की याद लेखक को क्यों आई ? 2

(ख) जहाँ आज लेखक का घर है पहले वहाँ क्या था ? 1

(ग) परिंदे - चरिंदों से उनका घर छीनने का क्या आशय है? इसे कैसे रोका जा सकता है ? 2

अथवा

लेफ्टीनेंट - इसका का तो मतलब ये हुआ कि कंपनी के खिलाफ सारे हिन्दुस्तान में लहर दौड़ गई है।

कर्नल - जी हाँ, और अगर ये कामयाब हो गई तो बक्सर और प्लासी के कारनामे धरे रह जाएँगे और कंपनी क्लाइव के हाथों जो हासिल कर चुकी है, वेलेजली के हाथों सब खो बैठेगी।

लेफ्टीनेंट - वजीर अली की आज़ादी बहुत खतरनाक है। इस शख्स को गिरफ्तार करना ही चाहिए।

कर्नल - पूरी एक फौज लिए उसका पीछा कर रहा हूँ। बरसों से वह हमारी आँखों में धूल झोंक रहा है। इन्हीं जंगलों में फिर रहा है और हाथ नहीं आता। उसके साथ चंद जाँबाज़ हैं। मुट्ठीभर आदमी, मगर दमखम है।

लेफ्टीनेंट - सुना है, वजीर अली जाती तौर से ही बहुत बहादुर आदमी है।

कर्नल - बहादुर न होता तो यूँ कंपनी के वकील को कत्ल कर देता!

(क) 'कंपनी' से क्या तात्पर्य है? कंपनी के खिलाफ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर क्यों दौड गई है ? 2

(ख) वज़ीर अली के गिरफ़्तारी के बारे में कर्नल ने क्या कहा ? 2

(ग) वज़ीर अली ने क्या किया था ? 1

14. (क) बिहारी ने किन बाहरी आडंबरों का खंडन किया है ? और क्यों ? दोहों के आधार पर लिखिए। 2

(ख) ''कर चले हम फिदा'' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए ? 2

(ग) 'आत्मत्राण'' कविता के अंत में कवि क्या अनुनय करता है ? 1

15. मास्टर प्रीतमचंद से डरने और नफ़रत करने के तीन कारण लिखिए ? 3

अथवा

टोपी शुक्ला की तीन चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ?

16. गरीब घरों के लडकों का स्कूल जाना कठिन था। ''सपनों के से दिन'' पाठ के आधार पर कारण लिखिए। 2

खंड 'घ'

17. संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए **5**

(क) <u>दिल्ली में कामनवेल्थ खेल</u>

- कॉमनवेल्थ की तैयारियाँ
- भारतीय खिलाड़ियों का योगदा
- खिलाड़ियों की व्यवस्था एवं सुरक्षा

(ख) <u>महँगाई : एक विकट समस्या</u>

- महँगाई के कारण
- साधारण लोगों पर प्रभाव
- रोकने के उपाय

(ग) <u>शिक्षा में नवीन साधनों का उपयोग</u>

- पढाई के विषयों में विविधता
- नवीन साधनों का उपयोग
- रोचकता

18. दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखकर देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता संबंधी कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए निवेदन कीजिए। **5**

अथवा

राकेश पांडे, छात्र प्रतिनिधि, बाल विद्यालय, मयूर विहार, गुजरात, की ओर से विकलांग बच्चों की सहायता के लिए कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

- o 0 o -